3. PROGRESS REPORT

Activities done during the reporting period:

1. **<u>गूगल प्लान्टेषन हेतु जगह चिन्हांकित –</u>** गुगल प्लान्टेषन हेतु तीन जगह चिन्हांकित की गई, सर्वे एवं BMC के साथ वैठक अनुसार पिपरई में 2000 पेड़ व बागचीनी में 2000 पेड़ एवं 1000 पेड़ वानमोर में किया जाना सुनिष्चत हुआ, जिसमें 7 हेक्टेयर जमीन में प्लान्टेषन किया गया, (कार्य 1 अप्रेल से 15 अप्रेल तक किया गया)

स्थान के लिये चर्चा करते हुये जाकिर हुसैन एवं ग्रामीण एवं रिवाइन्स एरिया में जगह का भ्रमण करते हुये।

2. **<u>गुगल बीज तथा कटिंग संग्रह</u>** – गूगल प्लान्टेषन हेतु बीज का संग्रह कार्य 15 अप्रेल से किया गया तथा नर्सरी में बीज एवं कटिंग रोपण किया गया, यह कार्य बृद्ध आश्रम तथा पिपरई में किया गया। इस वर्ष ओला पड़नें से बीज झड़ गया इसलिये कम संग्रह हो पाया।

बीज एवं कटिंग संग्रह करते हुये किसान गूगल प्लान्टेषन हेतु।

3. **<u>गुगल महत्व एवं विनाषहीन विदोहन पर कार्यषालाऐं</u> –** मुरैना अंचल में लोग गुगल पेड़ का महत्व एवं, उपयोगिता बड़ाने हेतु एवं इसका संरक्षण एवं सम्वंर्धन हेतु 2 कार्यषाला का आयोजन किया गया 15 मई 2013 को एवं 5 जून 2013 को, आयोजित की जिससे हितग्राही सही तरीके से चिरा लगाना सिखें।

गुगल गोंद निकालने के लिये विनाषहीन विदोहन की प्रकिया पर हितग्राही किसानों को प्रषिक्षण देते हुये व चीरा लगाना सिखाते हुये डॉ मोनी थॉमस, डॉ अतुल श्रीवास्तव एवं डी एफ ओ मुरैना।

4. <u>BMC क्रियाषील हेतु कार्यषालायें –</u> BMC क्रियाषील कार्यक्रम पॉच पंचायत विजय पुर व्लॉक जिला ष्योपुर में तथा 10 पंचायत मुरैना जिले में की जा चुकी है इस से लोग जैवविविधता को अवधारण समझे तथा BMC, अपरा कर्तव्य एवं उत्तर दायित्व समझी इससे जड़ी बूटी एवं पेड़ पोधौं का संरक्षण एवं सम्बर्धन हुआ।

गूगल प्लान्टेषन एरिया की 5 बी एम सी में उन्हें क्रियाषील करने हेतु चार चार प्रषिक्षण दिये गये।

5. **<u>मेडीषन प्लान्ट का अध्ययन कार्य</u>** – 25 मई 2013 से 10 मेडीषन प्लान्ट का अध्ययन कार्य में संस्था द्वारा प्लेन्टंषन एरिया में किया जा रहा है।

मेडीसिन प्लान्टों का अध्ययन करते हुये संग्राहक किसानों से चर्चा करते हुये जाकिर हुसैन।

6. **<u>2000 कटिंगों का प्लान्टेषन</u>** – 20 जून से 30 जून तक पिपरई में किया गया जिसकी तैयारी पूर्व से की जा रही थी बीज संग्रह किया गया तथा कटिंग तैयार की गई । यह प्लान्टेषन बाबा देवपुरी के पास की खाली जगह में किया गया है।

कटिंग तैयार कर उन्हें फीन्ड में लगाते हुये किसान।